आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–25 नवम्बर 2025 सान्ध्य समाचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा फहराई। यह मंदिर निर्माण के पूर्ण होने तथा सांस्कृतिक उत्सव और राष्ट्रीय एकता के एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह ध्वज भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह पवित्र ध्वज इस बात का प्रमाण है कि अंततः असत्य पर सत्य की विजय होती है।

आज संपूर्ण भारत, संपूर्ण विश्व राममय है। हर रामभक्त के हृदय में अद्वितीय संतोष है, असीम कृतज्ञता है, आपार अलौकिक आनंद है। सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना आज विराम पा रही है। आज उस यज्ञ की पूर्ण आहुति है जिसकी अग्नि पांच सौ वर्ष तक प्रज्जवलित रही।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र इस देश के डीएनए में है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार प्रत्येक व्यक्ति, विशेषकर समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम कर रही है। श्री मोदी ने कहा कि राम भेदभाव नहीं करते और सरकार भी इसी भावना के साथ आगे बढ़ रही है।

इससे पहले, प्रधानमंत्री ने आज सुबह अयोध्या में एक रोड शो किया। उन्होंने सप्तमंदिर का दौरा किया और शेषावतार मंदिर में दर्शन किए। शेषावतार मंदिर देश में भगवान राम के दुर्लभ मंदिरों में से एक है। प्रधानमंत्री ने माता अन्नपूर्णा मंदिर में भी दर्शन किए और रामलला के गर्भगृह में दर्शन और पूजा–अर्चना की। एक रिपोर्ट–

जय श्री राम के जयघोष, शंख ध्वनि की गूंज और विश्व के विभिन्न कोनों से अयोध्या पहुंचे हजारों रामभक्तों की उपस्थिति के बीच, शुभ विवाह पंचमी के दिन और अभिजीत मुहूर्त में धर्म ध्वजा कार्यक्रम संपन्न हुआ। ये प्रक्रिया 11 बजकर 40 मिनट पर शुरू हुई, प्रधानमंत्री ने बटन दबाया और 11 बजकर 50 मिनट पर ध्वज पताका स्थापित हो गई, पूरी प्रक्रिया में 4 मिनट से अधिक का समय लगा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुष्प वर्षा कर ध्वज को प्रणाम किया। दस फीट ऊँचे और बीस फीट लंबे समकोण त्रिभुजाकार धर्म ध्वज पर भगवान श्री राम के तेज और पराक्रम का प्रतीक सूर्य अंकित है। इस दीप्तिमान सूर्य की छवि के साथ ही कोविदारा वृक्ष की छवि भी अंकित की गई है। सुशील चन्द्र तिवारी, आकाशवाणी समाचार, अयोध्या।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ–आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि रामराज्य का ध्वज पूरे विश्व को सुख शांति प्रदान करने वाला है।

रामराज्य का ध्वज जो कभी अयोध्या में फहराता था और संपूर्ण विश्व में अपने आलोक से सुख–शांति प्रदान करता था, वो ध्वज आज फिर से नीचे से ऊपर चढ़ता हुआ और अपने शिखर पर विराजमान होता हुआ, हमने अपनी आंखों से देखा है, इसी देह में देखा है।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का दिन है।

आज का यह दिन, हर भारतवासी के लिए, हर सनातन धर्मावलम्बी के लिए आत्म–गौरव का दिन है, राष्ट्र–गौरव का दिन है।

इससे पहले अयोध्या पहुंचने पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। हमारे अयोध्या प्रतिनिधि ने बताया कि समारोह को देखत हुए पूरे अयोध्या में सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध रहे।

****

भारतीय स्टेट बैंक ने कहा है कि नई श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन से अर्थव्यवस्था को उल्लेखनीय बढ़ावा मिलेगा और देश में बेरोजगारी दर में कमी आएगी। बैंक की रिपोर्ट के अनुसार नई श्रम संहिताओं से बेरोजगारी दर में एक दशमलव तीन फीसदी तक की कमी आ सकती है। इससे सतहत्तर लाख अतिरिक्त रोजगार सृजित होंगे।

****

नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जीएसटी दर घटाने के बाद बाइस सितम्बर से जीएसटी बचत उत्सव शुरू हुआ था। प्रस्तुत है एक रिपोर्ट–

नई जीएसटी सुधारों के तहत सरकार ने विद्यार्थियों और स्टेशनरी उद्योग को बड़ी राहत प्रदान की है। स्टेशनरी उत्पाद जैसे पेंसिल, शॉर्पनर, क्रियॉन, एक्सरसाइज बुक, ग्राफ बुक, मैप और चार्ट जो पहले बारह प्रतिशत कर श्रेणी में आते थे अब पूरी तरह से कर मुक्त कर दिए गए हैं। इसके साथ ही रबर पर भी जीएसटी को पांच प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। इन उत्पादों पर जीएसटी कम होने से ना सिर्फ स्टेशनरी सस्ती हुई है बल्कि पूरे देश में शिक्षा की पहुंच भी बेहतर हुई है। सौम्या के साथ अमन यादव, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

सिख धर्म के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर जी के तीन सौ पचासवें शहीदी दिवस के अवसर पर आज लखनऊ में विशेष 'गुरुमति समागम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया।

****